आज — महानगर — कानपुर 19 अक्टूबर 2021 — 4

सीएसए और आइसीएसआई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

प्रोफेशनल फील्ड में करियर बनाने में मदद मिलेगी विद्यार्थियों को

समक्षौता पत्र दिखाते नागेंद्र डी. राव व वीसी डा.डीआर सिंह।

कानपुर, 18 अक्टूबर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह एवं भारतीय कंपनी सचिव संस्थान नई दिल्ली के अध्यक्ष नागेंद्र डी. राव ने आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत किसानों को समृद्ध व गांवों को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिए सीएसए अब आईसीएसआई दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से मिलकर काम करेंगे। कुलपति ने बताया कि वर्तमान में कृषि सेक्टर का योगदान 20 प्रतिशत है। जो इस क्षेत्र से जुड़े हुए किसान, वैज्ञानिक एवं उद्योगपतियों के अथक परिश्रम का परिणाम है। साथ ही विद्यार्थियों को अपने भविष्य को संवारने में मदद मिलेगी और वे देश की आर्थिक कृषि व्यवस्था सुदृढ़ करने में महती योगदान अदा करेंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा देश का पहला जैव संवर्धित गांव स्थापित किया गया है। जिसके अंतर्गत गुणवत्ता युक्त फसलों के बीज उत्पाद, स्मार्ट न्यूट्री किचन गार्डन, मशरूम उत्पादन एवं फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण कर गांव को आत्मनिर्भर बनाया गया है। इसी तरह का प्रयास आईसीएसआई संस्था विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेंगे और दोनों संस्थान एक दूसरे के साथ मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे। निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में 45 से अधिक पाठ्यक्रमों में 8 महाविद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है जिससे लगभग प्रतिवर्ष 500 स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी में उपलब्धियां प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि चार शोध अनुभाग ,5 क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, 4 फसल इकाइयां एवं 25 नान प्लान शोध योजनाएं व पंद्रह एक्रिप् योजनाओं में 30 से अधिक फसल सुधार एवं कृषि तकनीकी का विकास किया जा रहा है। एमओयू हस्ताक्षर के बाद भारतीय कंपनी सचिव संस्थान नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेंद्र डी राव ने बताया कि इस एमओयू का मुख्य उद्देश हमारे जो छात्र छात्राएं प्रोफेशनल फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं तथा अपनी सेवाएं लीगल क्षेत्र में देना चाहते हैं उनके लिए संस्थान अग्रणी भूमिका निभा सकता है। इस अवसर पर कंपनी के मनीष कुमार शुक्ला, डॉ करम हुसैन,डॉ धर्मराज सिंह, डॉ वेदरतन, डॉ सी पी सचान सहित उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • मंगलवार • 19 अक्टूबर • 2021

सीएसए के साथ मिलकर आईसीएसआई
कृषकों को बनायेगा आत्मनिर्भर

सीएसए कृषि विवि व भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के बीच शैक्षिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए समझौता अनुबंध

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन व प्रोफेशनल कॅरियर को नई ऊंचाई देने के लिए भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, विवि में कई शैक्षिक कार्यक्रम संचालित करेगा। इस लक्ष्य को साधने के लिए सोमवार को सीएसए व भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के बीच समझौता अनुबंध संपन्न हुआ। समझौता अनुबंध पर सीएसए कृषि विवि के कुलपति डॉ.डीआर सिंह और भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, नई दिल्ली के अध्यक्ष नागेन्द्र डी. राव ने हस्ताक्षर किये।

विवि कुलपति ने एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) की दक्षता का उपयोग हमारे विवि के विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने में करेंगे व देश की आर्थिक स्थिति व कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईसीएसआई विवि के साथ मिलकर कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी काम करेगा और दोनों संस्थान एक-दूसरे के साथ मिलकर विकास पथ पर आगे बढ़ेंगे।

सीएसए व भारतीय कंपनी सचिव के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर करते कृषि विवि कुलपति। फोटो : एसएनबी

आईसीएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेन्द्र डी. राव ने कहा कि इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य प्रोफेशनल क्षेत्र के अलावा लीगल क्षेत्र में कॅरियर के लिए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना है। उन्होंने कहा कि संस्थान विवि के साथ मिलकर कई कार्यक्रम आयोजित करेगा। इसके अतिरिक्त अध्ययन सामग्री का भी समय-समय पर आदान-प्रदान होगा। आईसीएसआई कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष मनीष कुमार शुक्ला ने संस्थान के कार्यकलापों की जानकारी दी। इस अवसर पर विवि के निदेशक शोध डॉ.एचजी प्रकाश, डॉ.करम हुसैन, डॉ.धर्मराज सिंह, डॉ.वेदरत्न, डॉ.सीपी सचान सहित सभी विभागाध्यक्ष व आईसीएसआई के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक
वर्ष : 6, अंक : 191 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, मंगलवार
19 अक्टूबर, 2021
मूल्य ₹ 3.00
www.shashwattimes.com

मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में अजिंक्य रहाणे संभालेंगे मुंबई की कमान, पृथ्वी शॉ उप-कप्तान...

सीएसए एवं आइसीएसआई के मध्य हुआ एमओयू पर हस्ताक्षरः कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह एवं भारतीय कंपनी सचिव संस्थान नई दिल्ली के अध्यक्ष नागेंद्र डी. राव ने आज दिनांक 18 अक्टूबर 2021 को संयुक्त रूप से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने बताया कि वर्तमान में कृषि सेक्टर का योगदान 20% है। जो इस क्षेत्र से जुड़े हुए किसान, वैज्ञानिक एवं उद्योगपतियों के अथक परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा हमें खुशी है कि आज हम ऐसे संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं। जिसकी दक्षता का उपयोग हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने में करेंगे। तथा देश की आर्थिक कृषि व्यवस्था सुदृढ़ करने में महती योगदान अदा करेंगे। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा देश का पहला जैव संवर्धित गांव स्थापित किया गया है। जिसके अंतर्गत गुणवत्ता युक्त फसलों के बीज उत्पाद, स्मार्ट न्यूट्री किचन गार्डन, मशरूम उत्पादन एवं फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण कर गांव को आत्मनिर्भर बनाया गया है। उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि अनूपपुर गांव कुपोषण से मुक्त हो गया है हम आशा करते हैं कि इसी तरह का प्रयास आईसीएसआई संस्था विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेंगे। और दोनों संस्थान एक दूसरे के साथ मिलकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में 45 से अधिक पाठ्यक्रमों में 8 महाविद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है जिससे लगभग प्रतिवर्ष 500 स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी में उपलब्धियां प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि चार शोध अनुभाग ,5 क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, 4 फसल इकाइयां एवं 25 नन प्लान शोध योजनाएं व पंद्रह एक्रिप् योजनाओं में 30 से अधिक फसल सुधार एवं कृषि तकनीकी का विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 300 से अधिक उन्नतशील प्रजातियों का विकास किया गया है। जो देश में ही नहीं अपितु विदेशों में भी मशहूर हैं। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम प्रजातियां एवं शस्य तकनीकों के प्रचार प्रसार हेतु 13 कृषि विज्ञान केंद्र विश्वविद्यालय कार्य क्षेत्र के अंतर्गत कार्यरत हैं।जो नवीनतम तकनीकों के प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण देकर किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कई कार्यक्रम आयोजित करेगा जिससे विश्वविद्यालय के शिक्षक छात्र एवं छात्राएं लाभान्वित हो सकेंगे।इसके अतिरिक्त अध्ययन सामग्री का भी समय-समय पर आदान-प्रदान होगा।समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष मनीष कुमार शुक्ला ने अपने उद्बोधन में बताया कि पूरे देश में कंपनी के 72 चैप्टर, चार रीजनल काउंसिल तथा दो स्टडी सेंटर हैं।इस अवसर पर डॉ करम हुसैन,डॉक्टर धर्मराज सिंह,डॉक्टर वेदरतन,डॉ सी पी सचान सहित विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

देश-विदेश
लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
उत्तर प्रदेश

देश की शक्ति को मिली नई गतिः पीएम... 12
परिवार की इज्जत करना सीखे अखिलेश यादव... 11

जन एक्सप्रेस
लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 09
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper
लखनऊ | मंगलवार | 19 अक्टूबर, 2021

आईसीएसआई-विश्वविद्यालय एक साथ मिलकर कृषकों को बनाएंगे आत्मनिर्भर

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह एवं भारतीय कंपनी सचिव संस्थान नई दिल्ली के अध्यक्ष नागेंद्र डी. राव ने सोमवार को संयुक्त रूप से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने कहा कि हमें खुशी है कि आज हम ऐसे संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने जा रहे हैं जिसकी दक्षता का उपयोग हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने में करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिया गया पहला जैव संवंधित गांव अनूपपुर कुपोषण से मुक्त हो गया है। हम आशा करते हैं कि आईसीएसआई संस्था और विश्वविद्यालय एक साथ मिलकर कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करेंगे। विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डॉ.एच.जी. प्रकाश ने बताया कि विश्वविद्यालय में 45 से अधिक पाठ्यक्रमों में 8 महाविद्यालयों के माध्यम से शिक्षा प्रदान की जा रही है जिससे लगभग प्रतिवर्ष 500 स्नातक, परास्नातक एवं पीएचडी में उपलब्धियां दी जा रही है। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेंद्र डी.राव.ने एमओयू के मुख्य उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि प्रोफेशनल फील्ड में अपना करियर बनाने वाले छात्र-छात्राएं जो अपनी सेवाएं लीगल क्षेत्र में देना चाहते हैं उनके लिए संस्थान अग्रणी भूमिका निभा सकता है। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष मनीष कुमार शुक्ला ने बताया कि पूरे देश में कंपनी के 72 चैप्टर, चार रीजनल काउंसिल तथा दो स्टडी सेंटर हैं।

इस अवसर पर डॉ. करम हुसैन, डॉ. धर्मराज सिंह, डॉ. वेदरतन, डॉ. सी. पी. सचान सहित विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएसए छात्रों का एग्री स्टार्टअप करना होगा आसान

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के छात्रों को कृषि क्षेत्र में उद्यमिता विकास करना आसान हो जाएगा। वह न सिर्फ कंपनी तैयार करेंगे, बल्कि उन्हें बाजार का हाल, आर्थिक स्थिरता और कंपनी के संचालन में मदद मिलेगी। यह सुविधा सोमवार को सीएसए और भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, नई दिल्ली के बीच करार के बाद से हुई है।

एमओयू साइन करने के दौरान विवि के कुलपति डा. डीआर सिंह, निदेशक शोध डा. एचजी प्रकाश, डीन एग्रीकल्चर डा. डीआर सिंह और संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेंद्र डी राव, कानपुर चैप्टर के अध्यक्ष सीएस मनीष कुमार शुक्ला समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कुलपति ने बताया कि छात्र कंपनी के कानूनी पहलुओं को जान सकेंगे। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के देश भर में 72 चैप्टर्स हैं, चार रीजनल काउंसिल और दो स्टडी रिसर्च सेंटर हैं। छात्रों को इन सेंटरों पर कानूनी नैतिकता का पता चल सकेगा। निदेशक शोध डा. एचजी प्रकाश ने बताया कि एमबीए के बाद छात्र संस्थान में पढ़ाई कर सकेंगे।

संस्थान अपने स्टडी मेटेरियल का भी समय समय पर यूनिवर्सिटी के साथ आदान प्रदान करेगा।

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के साथ हुए करार के कागज दिखाते सीएसए के कुलपति प्रो .डीआर सिंह (दाएं) • जागरण

- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान संग हुआ करार, करेगा सहयोग
- सीएसए और संस्थान के विशेषज्ञ मिलकर नए कोर्स करेंगे तैयार